अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–10 अंक–245 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ शनिवार 4 दिसम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

आवासीय भूखण्ड पर व्यवसायिक निर्माण,एलडीए जेई रवि प्रकाश यादव ने खूलवा दी दुकान

अवध की आवाज

लखनऊ–लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी के द्वारा लखनऊ शहर में नियम विरुद्ध हो रहे अवैध व्यवसायिक बहुमंजिला निर्माणों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही किए जाने के आदेश के बाद भी प्रवर्तन जोन 1 में तैनात चर्चित अवैध निर्माण के माहियती भ्रष्ट अवर अभियंता रवि प्रकाश यादव के लिए कोई मायने नही रखते। हौसला बुलंद प्रभावशाली यादव के द्वारा पूर्व व वर्तमान जोन 1 गोमती नगर के बिजय खंड विशाल खंड आदमी तैनाती पाते हैं,बड़े पैमाने पर आवासीय भूखंड मे व्यवसाय अवैध निर्माण कराए जा रहे हैं वहीं दूसरी ओर उच्चाधिकारियों के आदेश पर सील किए गए अनेको अवैध व्यवसायिक निर्माणों से मोटी वसूली करके खुले आम अध्यसित करवाया जा रहा है।बताया जा रहा है कि अवैध निर्माणो को लेकर तत्कालीन उपाध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह के द्वारा कड़ी फटकार लगाने के दौरान बेलगाम अवर अभियंता रवि प्रकाश यादव के द्वारा अशिष्टता के कारण श्री सिंह के द्वारा प्रशासनिक स्तर पर निलंबन की कार्यवाही प्रारंभ की गई लेकिन कुछ अवैध निर्माण के हिमायती उच्चाधिकारियों की शिफारस के चलते रवि प्रकाश यादव को प्रवर्तन से हटाकर तत्काल उद्यान अनुभाग में भेज दिया गया था,पीएन सिंह के स्थानान्तरण तो होते ही एलडीए के मठाधीश अवैध निर्माणों के संरक्षक उच्चाधिकारियों के द्वारा पुनः शासनदेश की अवहेलना करते हुए पुनरूप्रवर्तन अनुभाग में तैनाती दे दी गई,प्रवर्तन में तैनाती पाते ही रवि प्रकाश यादव के द्वारा सील किए गए अवैध निर्माण को अध्यसित कर दिया।

सूचना

मैं प्रार्थी का पुत्र उमंग गुप्ता सर सयद पब्लिक स्कूल पी डी नगर उन्नाव में कक्षा 8 में शिक्षारत हैं जिसकी वास्तविक जन्म तिथि 11 दिसंबर 2009 हैं लेकिन गलती से अभिलेखों में 11 दिसम्बर 2007 लिख गयी हैं जो गलतहै।वास्तविक जन्मतिथि 11 दिसम्बर 2009 मानी जाय।

गोविन्द गुप्ता
पुत्र शिव कुमार गुप्ता
निवासी बंथर,पोस्ट बंथर
जिला–उन्नाव।

भाजपा, सपा और कांग्रेस के लुभावने वादों से सतर्क रहे जनता: मायावती

लखनऊ, (वेब वार्ता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने उत्तर प्रदेश में संभावित विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के चुनाव पूर्व लुभावने वादों को बाद में भुला दिये जाने की ताकीद करते हुये जनता से ऐसे झूठे वादों से सतर्क रहने को कहा है।मायावती ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा, "यूपी में खासकर भाजपा, सपा, कांग्रेस आदि के द्वारा प्रदेश की जनता को लुभाने व गुमराह करने के लिए आए दिन प्रलोभन भरे जो चुनावी वादों की झड़ी लगाई जा रही है।

माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश आदित्यनाथ योगी जी ने जो कहा शो करके दिखाया

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। जैसा की विधित है की लगभग 4 महीने पहले विद्युत की हालत परदेस में बहुत ही खस्ता थी उसके पश्चात लाइट के बारे में विद्युत के विषय में यह जहां उत्पादन होता है अर्थात कोयले से इसका निर्माण होता है उस स्थान पर भारी बारिश की वजह से पानी आ जाने के कारण भारत में विद्युत को लेकर के तबाही मच गई थी लेकिन प्रधानमंत्री ने सभी समस्याओं का समाधान करते हुए प्रत्येक राज्य के मुख्यमंत्री लोगों से कहा कि आप लोग अपने अपने राज्य के आम जनता को आश्वासन देकर बिजली की समस्या हम नहीं होने देंगे । इस प्रकार से माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश आदित्यनाथ योगी ने देशवासियों को निश्चिंत करते हुए कहा कि हमारे पास विद्युत को लेकर के किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है उत्तर प्रदेश में मैं किसी प्रकार से विद्युत की कमी नहीं होने दूंगा संभवत दिन में बिजली की कटौती हो

सकती है किंतु रात में विद्युत की कटौती नहीं होने देंगे। इस प्रकार से जो उन्होंने कहा सो किया अर्थात इस समय बिजली लगभग 20 से लेकर के 22 घंटे तक रहती है लाइट की व्यवस्था से उत्तर प्रदेश के जनपद गोंडा के निवासी लोग बहुत ही खुशहाल हैं क्योंकि लगभग 3 महीना पहले विद्युत की बड़ी समस्या थी घंटे घंटे पर वोल्टेज डाउन ,, लो वोल्टेज की समस्या बनी रहती थी जिससे आम आदमी का जीवन अस्त व्यस्त था लेकिन इस वक्त बिजली की अर्थात विद्युत की कटौती नहीं हो रही है वोल्टेज भी सही रहता है। उत्तर प्रदेश के जनपद गोंडा के निवासी लोग इस सुविधा मुहैया से खुशहाल हैं विशेषकर व्यापार मंडल के लोग क्योंकि इससे पहले शाम के समय विद्युत ना पाने के कारण दुकानदारी नहीं हो पाती थी लेकिन अब दिन में भी लाइट शाम को भी लाइट इस तरह से दुकानदार के साथ–साथ ग्राहक भी हैं खुशहाल। इस प्रकार से आप लोगों को बताते चलें कि महंगाई को लेकर के कोई भी सरकार समझौता नहीं कर सकती है।

दहेज की मांग ना पूरी होने पर एक और विवाहिता घड़ी मौत की बलिवेदी पर

अजीजुद्दीन सिद्दीकी

मनकापुर गोण्डा गुरुवार देर शाम अल्टो कार की मांग को लेकर एक और नवविवाहिता को ससुराली जनों ने दहेज की बलिवेदी पर चढ़ा दिया स मृतका के भाई की तहरीर पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है स

वही शुक्रवार को परिजन आरोपी की गिरफ्तारी के लिए शव को कोतवाली के सामने सड़क पर रखकर सड़क जाम कर दिया ।धरना प्रदर्शन से पुलिस के हाथ पांव फूल गए आनन फानन में सीओ, कोतवाल प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे और जल्द ही गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। तब जाकर प्रदर्शन खत्म हुआ। मृतका के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार थाना कोतवाली मनकापुर क्षेत्र के बेहटा हलबल गांव निवासी हरिशंकर मिश्र ने थाना क्षेत्र के ही गांव मल्लहीपुर निवासी फूलचंद की बेटे धर्मेंद्र उर्फ सोनू के साथ पूरी शान शौकत के साथ कई लाख रुपए दान दहेज देकर अपनी पुत्री संजू की शादी किया था बताया जाता है कि 30 अप्रैल 2021 को विवाह के उपरांत संजू की विदाई कर दी गई थी संजू के भाई अभिषेक ने मनकापुर पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसका बहनोई धर्मेंद्र उर्फ सोनू मनकापुर कस्बे के गायत्री नगर मोहल्ले मैं आरपी इंटर कॉलेज के पास परिवार के साथ रहता था और उसकी बहन संजू को दहेज में अल्टो कार की मांग को पूरी करने के लिए मारता पीटता और दबाव बनाता था स मृतिका के भाई अभिषेक के अनुसार बहन के विवाह में रु300000 का सामान और रु600000 की नगदी दान दहेज में वर पक्ष को दिया गया था इसके बावजूद भी बहन संजू के ससुरारी जन संतुष्ट नहीं हुए और उसको अक्सर दहेज में कार की मांग को

लेकर मारते पीटते रहते थे इस बात की जानकारी संजू जरिए फोन और कभी–कभी मायके में जाकर भी अपने परिवार को आप बीती सुना दी थी लोक लाज के डर से मृतका के पिता और भाई उसे समझा–बुझाकर ससुराल वापस भेज देते थे स मायके पक्ष का आरोप है कि नव विवाहिता को अक्सर दहेज की मांग को लेकर पति धर्मेंद्र उर्फ सोनू, सासू मां सुषमा, ससुर फूलचंद, फूलचंद का बड़ा बेटा शिव प्रकाश व उसकी पत्नी खुशबू मिलकर प्रताड़ित करते थे समृतका संजू जब अपनी पीड़ा भाई पिता व परिजनों को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ना की बात बताती तो सभी लोग उसे समझा–बुझाकर शांत कर देते थे स संजू का पति धर्मेंद्र अपनी पत्नी को अक्सर उसके पिता के दिल्ली के घर को बेच करके अल्टो कार की मांग पूरी करने का दबाव बनाता था स इसी दहेज की मांग को लेकर कभी–कभी संजू को उसका पति मायके भी भेज देता था बकौल अभिषेक बताता है कि रिश्ता निभाने के लिए बहन को समझा–बुझाकर उसके ससुराल वापस भेज दिया गया था स बताया जाता है कि गुरुवार की शाम अभिषेक के बहनोई धर्मेंद्र ने फोन करके बताया कि तुम्हारी बहन संजू की तबीयत बहुत ज्यादा खराब है और उसे सीएचसी मनकापुर में भर्ती कराया गया है मृतका के मायके वाले यह खबर पाते ही अस्पताल की ओर दौड़ पड़े स मायके वाले जब तक अस्पताल पहुंचते तब तक उसके ससुराली जन मृतिका को अस्पताल में छोड़कर फरार हो चुके थे स सीएससी मनकापुर के चिकित्सक ने अभिषेक को बताया कि उसकी बहन को जब अस्पताल लाया गया था तो वह मर चुकी थी स संजू की मौत की खबर जैसे ही उसके मायके में पहुंची कोहराम मच गया उधर मृतका के भाई अभिषेक ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर सुसंगत धाराओं में केस दर्ज करने की मांग की है स मनकापुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक हेमंत कुमार गौड़ ने बताया की तहरीर के अनुसार विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है तलाश जारी है जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा स दहेज हत्या आरोपियों की तलाश में पुलिस ने कई स्थानों पर छापेमारी भी की लेकिन वह पुलिस के हाथ नहीं लगे।

कोरोना के नए वेरिएन्ट ओमीक्रोम को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है और वह बचाव की प्रक्रिया में जुट गया है

अवध की आवाज

सीतापुर। कोरोना के नए वेरिएन्ट ओमीक्रोम को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है और वह बचाव की प्रक्रिया में जुट गया है। यह कहना है मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. मधु गैरोला का। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा– विदेशों से खासकर जर्मनी, दक्षिणी अफ्रीका, नीदरलेन्ड , ब्रिटेन में यह वेरिएन्ट देखने को मिला है। कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रान ने भारत मे दस्तक दे दी है यह वैरिएंट पिछले कोरोना वायरस से 10 गुना ज्यादा तेजी से लोगो को संक्रमित करता है । शासन से हमें जो निर्देश प्राप्त हुए हैं उसी के अनुसार जिले में फोकस संपलिंग का काम शुरू हो गया है। ज़िले में फोकस सैंपलिंग की जा रही है। बाहर से आने वालों की स्क्रीनिंग की जा रही है। बस अड्डों, रेलवे स्टेशन पर स्क्रीनिंग तेज कर दी गई है। ज़िला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ पी के सिंह ने अवगत कराया कि जनपद सीतापुर में अब तक 31,28,323 लोगो ने वैक्सीन की प्रथम डोज़ लगवा ली है जो कि लक्ष्य के सापेक्ष 73.72 प्रतिशत है ,जबकि 8,59,933 लोगों ने दूसरी डोज़ लगवा ली है जोकि लक्षय के सापेक्ष 27.49 प्रतिशत है । सभी नागरिकों से अपील है कि वह अपना कोविड का टीकाकरण अवश्य कराएं। नियत समय पर कोविड के टीके की दूसरी डोज लगवाएं क्योंकि कोरोना से बचने में टीकाकरण प्रभावी है। यह जरूरी नहीं है कि आप जनपद में ही हैं तभी अपना टीकाकरण करवाएं। आप देश में कहीं भी है आप अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर वहाँ पर कोरोना का टीका लगवा सकते हैं। साथ ही कोविड अनुरूप व्यवहार करें। भीड़–भाड़ वाले इलाके में जाने से बचें। कोविड के नियमों का पालन करें। यदि आपके घर में या आस–पास कोई विदेश से आया है तो इसकी सूचना इंटीग्रेटेड कोविड कमांड कंट्रोल रूम (आईसीसीसी) को तुरंत दें। बाहर जाएं तो मास्क अवश्य लगाएं। बेहतर हो कि तीन लेयर वाले मास्क का प्रयोग करें। दो गज की शारीरिक दूरी का पालन अवश्य करें और बार–बार अपने हाथ साबुन और पानी से धोते रहें।

कोरोना के नए वेरिएन्ट ओमीक्रोम को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है और वह बचाव की प्रक्रिया में जुट गया है।

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। कोरोना के नए वेरिएन्ट ओमीक्रोम को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है और वह बचाव की प्रक्रिया में जुट गया है। यह कहना है मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. मधु गैरोला का। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा– विदेशों से खासकर जर्मनी, दक्षिणी अफ्रीका, नीदरलेन्ड , ब्रिटेन में यह वेरिएन्ट देखने को मिला है। कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रान ने भारत मे दस्तक दे दी है यह वैरिएंट पिछले कोरोना वायरस से 10 गुना ज्यादा तेजी से लोगो को संक्रमित करता है । शासन से हमें जो निर्देश प्राप्त हुए हैं उसी के अनुसार जिले में फोकस संपलिंग का काम शुरू हो गया है। ज़िले में फोकस सैंपलिंग की जा रही है। बाहर से आने वालों की स्क्रीनिंग की जा रही है। बस अड्डों, रेलवे स्टेशन पर स्क्रीनिंग तेज कर दी गई है। ज़िला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ पी के सिंह ने अवगत कराया कि जनपद सीतापुर में अब तक 31,28,323 लोगो ने वैक्सीन की प्रथम डोज़ लगवा ली है जो कि लक्ष्य के सापेक्ष 73.72 प्रतिशत है ,जबकि 8,59,933 लोगों ने दूसरी डोज़ लगवा ली है जोकि लक्षय के सापेक्ष 27.49 प्रतिशत है । सभी नागरिकों से अपील है कि वह अपना कोविड का टीकाकरण अवश्य कराएं। नियत समय पर कोविड के टीके की दूसरी डोज लगवाएं क्योंकि कोरोना से बचने में टीकाकरण प्रभावी है। यह जरूरी नहीं है कि आप जनपद में ही हैं तभी अपना टीकाकरण करवाएं। आप देश में कहीं भी है आप अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर वहाँ पर कोरोना का टीका लगवा सकते हैं। साथ ही कोविड अनुरूप व्यवहार करें। भीड़–भाड़ वाले इलाके में जाने से बचें। कोविड के नियमों का पालन करें। यदि आपके घर में या आस–पास कोई विदेश से आया है तो इसकी सूचना इंटीग्रेटेड कोविड कमांड कंट्रोल रूम (आईसीसीसी) को तुरंत दें। बाहर जाएं तो मास्क अवश्य लगाएं। बेहतर हो कि तीन लेयर वाले मास्क का प्रयोग करें। दो गज की शारीरिक दूरी का पालन अवश्य करें और बार–बार अपने हाथ साबुन और पानी से धोते रहें।

एसपी साहब यहाँ भाँग की दुकानों पर खुलेआम बिक रहा मादक द्रव्य गांजा

बगैर साइन बोर्ड के चल रही भाँग की दुकान जिसका रजि0 कहीं चल रही कहीं

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोण्डा। एक तरफ तेज तर्रार पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशानुसार अपराधियों के विरुद्ध निरन्तर अभियान चलाकर कठोर कार्यवाही की जा रही है तो वहीं दूसरी तरफ आबकारी विभाग की मिलीभगत कहें या खाऊ कमाऊ नीति के चलते मोहल्ला सतई में रजि0 भाँग की दुकान मोहल्ला रानीबाजार में संचालित कर प्रतिबंधित मादक द्रव्य गांजा की खुलेआम विक्री की जा रही है जो वीडियो में स्पष्ट देखा जा सकता है। मोहल्ला सतईपुरवा में पंजीकृत दुकान रानीबाजार में संचालित होकर खुलेआम गांजे की विक्री होने की चर्चाओं की पुष्टि करने पर अवैध गाँजे की विक्री किए जाने का मामला प्रकाश में आया । आबकारी कार्यालय से चंद कदम दूर प्रधान डाकघर के निकट स्थित भाँग की दुकान पर अवैध रूप से मादक द्रव्य गांजा की विक्री जोरों से किए जाने का वीडियो वायरल हो रहा है। इतना ही नही अधिकतर दुकानों पर अधिकृत स्वामी का नाम व रजि0 संख्या सहित रजि0 की अवधि साइन बोर्ड पर अंकित न होने से आबकारी विभाग सहित पुलिस प्रशासन के कार्यशैली पर कई तरह के प्रश्नचिन्ह लगते दिख रहे हैं। प्रधान डाकघर के निकट स्थित भाँग की दुकान की वायरल वीडियो के संबंध में जानकारी आबकारी अधिकारी उमेश चन्द्र पांडेय ने बताया कि जांच करवाने पर कुछ नही मिला। गौर करने की बात है कि क्या दुकान पर साइन बोर्ड पर ठेकेदार का नाम रजि0 संख्या रजि0 अवधि लिखा हुआ मिला यदि नही मिला तो क्या कार्यवाही की गई जो एक गंभीर व जांच का विषय है।

क्रिकेट टूर्नामेंट MPL (मुबारकपुर प्रीमियर लीग) का शुभारंभ प्रसपा लखनऊ जिलाध्यक्ष एवं प्रत्याशी 169 बीकेटी विधानसभा माननीय रंजीत यादव की गरिमामयी उपस्थिती में हुआ

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। बख्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र के मुबारकपुर ग्राम में आयोजित किए जा रहे क्रिकेट टूर्नामेंट MPL(मुबारकपुर प्रीमियर लीग) का शुभारंभ प्रसपा लखनऊ जिलाध्यक्ष एवं प्रत्याशी 169 बीकेटी विधानसभा माननीय रंजीत यादव की गरिमामयी उपस्थिती में हुआ। इस अवसर पर रंजीत यादव जी ने युवा खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में युवा प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।युवा शक्ति देश एवं उत्तर प्रदेश की प्रगति का आधार स्तंभ है।इस प्रकार के आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करते हैं। हम MPL क्रिकेट टूर्नामेंट के आयोजक मंडल छंगा पहलवान, दीपक यादव, प्रदीप यादव(लारा), सचिन यादव को धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने इस प्रकार के खेल स्पर्धा का आयोजन किया। आज के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बीकेटी विधानसभा अध्यक्ष अवधेश यादव, प्रसपा प्रदेश महासचिव महासचिव अजय त्रिपाठी मुन्ना, वरिष्ठ प्रसपा नेता रमेश यादव, जिला उपाध्यक्ष अतुल यादव, जिला उपाध्यक्ष रामसमुझ यादव, जिला मीडिया प्रभारी संदीप यादव, जिलासचिव गोपाल कुमार, रंजीत गौतम,प्रदीप यादव, अर्जुन यादव, आदि लोग उपस्थित हुए।

सम्पादकीय

हंसी सबसे अच्छी दवा है: मुनव्वर फारूकी

स्टेंडअप कामेडियन मुनव्वर फारूकी बंगलौर में एक परोपकारी संस्था के लिए अपना शो करने वाले थे. पूरे टिकट बिक चुके थे. फिर आयोजकों को यह सूचना दी गई कि उन्हें कार्यक्रम रद्द करना होगा. और कार्यक्रम रद्द हुआ. पुलिस ने इसका कारण यह बताया कि फारूकी एक विवादास्पद व्यक्ति हैं और उनके शो से कानून–व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है। इसके पहले भी फारूकी के कई कार्यक्रम रद्द हो चुके हैं. उन्हें एक महीने जेल में भी काटने पड़े थे क्योंकि सरकार को यह आशंका थी कि वे अपने कार्यक्रम में जो बातें कहेंगे उनसे हिन्दुओं की धार्मिक भावनाएं आहत होंगी. बंगलौर का आयोजन भी इसलिए रद्द हुआ क्योंकि दक्षिणपंथी संस्थाओं का कहना था कि फारूकी हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं को को चोट पहुंचाएंगे. अंततः फारूकी ने लोगों को हंसाने के अपने काम को अलविदा कहने का निर्णय कर लिया. अपने संदेश में उन्होंने लिखा नफरत जीत गई, आर्टिस्ट हार गया. बहुत हुआ. अलविदा. अन्याय।

कुछ समय पहले एक अन्य भारतीय कामिक वीर दास ने अमरीका के केनेडी सेंटर में खचाखच भरे सभागार में एक दिल को छू लेने वाले मुद्दे पर अपनी बात रखी थी। उनका विषय था दो भारत. जिन विरोधाभासों का उन्होंने जिक्र किया था वे कड़वे परंतु सच थे. उन्होंने कहा था मैं भारत से आता हूं जहां हम लोग दिन में महिलाओं की पूजा करते हैं और रात में उनके साथ सामूहिक बलात्कार. मैं भारत से आता हूं जहां हम शाकाहारी होने पर गर्वित होते हैं परंतु सब्जियां उगाने वाले किसानों पर गाड़ियां चढ़ाते हैं। उन्हें अब उन्हीं तत्वों द्वारा ट्रोल किया जा रहा है जिन्होंने फारूकी के शो पर विराम लगवा दिया है। वीर दास के मामले में जिस तरह की बातें सोशल मीडिया पर कही गईं उनका एक प्रतिनिधिक नमूना, जो साम्प्रदायिक राष्ट्रवादियों की सोच को उजागर करता है, यह था – मैं वीर दास नाम के इस आदमी में एक आतंकवादी देखता हूं। वह एक स्लीपर सेल का सदस्य है जिसने एक विदेशी भूमि पर हमारे देश के खिलाफ युद्ध किया है. उसे तुरंत यूएपीए और आतंकवाद निरोधक कानूनों के अंतर्गत गिरफ्तार कर उस पर देशद्रोह का मुकदमा चलाया जाना चाहिए. संदेश लिखने वाले ने अमित शाह, मुंबई पुलिस और मुंबई पुलिस के आयुक्त को टैग किया है।

आज शासकों और उनकी विचारधारा का विरोध करना एक कठिन कार्य बन गया है। फारूकी को जेल में महीना भर बिताने और उनके कार्यक्रमों के एक के बाद एक रद्द किए जाने से इतना तो समझ में आ ही गया होगा. एक अन्य कामिक कुणाल कामरा को भारत के एटार्नी जनरल के गुस्से का शिकार होना पड़ा। वह इसलिए क्योंकि कामरा ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा अर्नब गोस्वामी को जमानत दिए जाने की आलोचना की थी. एटार्नी जनरल वेणुगोपाल ने कहा आजकल लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर सुप्रीम कोर्ट और उसके जजों की बिना किसी डर के खुलेआम आलोचना करते हैं।

अभिव्यक्ति की आजादी भारत के स्वाधीनता संग्राम का अभिन्न हिस्सा था और इसे हमारे संविधान में भी जगह दी गई है. भारत के प्रथम प्रधानमंत्री ने इसी प्रजातांत्रिक अधिकार के परिप्रेक्ष्य में महान कार्टूनिस्ट शंकर की खुलकर तारीफ करते हुए उनसे कहा था कि आप मुझे भी मत छोड़िएगा। शंकर नेहरू का बहुत सम्मान करते थे परंतु फिर भी उन्होंने नेहरू पर अनेक तीखे कार्टून बनाए। सन् 1990 के दशक तक नेताओं और शासकों की आलोचना बहुत आम थी और कार्टूनिस्टों और कामिकों को शायद ही कभी किसी परेशानी का सामना करना पड़ता था. परंतु साम्प्रदायिक राजनीति के उभार के साथ असहिष्णुता बढ़ने लगी और अपने से विपरीत मत रखने वाले का सम्मान करने की परंपरा तिरोहित हो गई. एम. एफ. हुसैन, जिन्हें भारत का पिकासो कहा जाता है, ने रामायण पर आधारित 150 चित्र बनाए थे। संकीर्ण मनोवृत्ति वालों ने उन पर हल्ला बोल दिया. सन् 1970 के दशक में बनाई गई उनकी पेंटिगें अचानक सन् 2010 के दशक में निशाने पर आ गईं। एक कलाकार के लिए नग्नता पवित्रता का प्रतीक होती है. कहने की आवश्यकता नहीं की नग्नता अश्लील और निंदनीय भी हो सकती है. परंतु यह परिस्थितियों पर निर्भर करता है. हुसैन भारतीय संस्कृति और सभ्यता में डूबे हुए थे और उन्होंने भारतीय देवी–देवताओं पर असंख्य चित्र बनाए थे। उनके पीछे भी उसी तरह के लोग पड़ गए जो फारूकी और वीर दास का विरोध कर रहे हैं. अंततः हुसैन अपना काम जारी रखने के लिए भारत छोड़कर कतर चले गए।

इसके पहले सलमान रुश्दी की पुस्तक 'मिडनाईट्स चिल्ड्रन' को प्रतिबंधित किया गया था. तस्लीमा नसरीन पर भी हमले हुए थे. परंतु पिछले तीन दशकों में ष्भावनाओं को आहत करने का मुद्दा बार–बार उठाया जा रहा है। डॉ. नरेन्द्र दाभोलकर, जिनकी अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति गांवों में अंधश्रद्धा के खिलाफ अभियान चला रही थी, की हत्या कर दी गई। कामरेड गोविंद पंसारे साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने का काम कर रहे थे। उनका कहना था कि शिवाजी मुस्लिम–विरोधी नहीं थे बल्कि वे अपनी प्रजा के कल्याण के लिए काम करते थे। वे यह भी कहते थे कि हेमंत करकरे भले ही 26/11 के हमले में मारे गए थे परंतु उनकी मौत के पीछे आतंकियों के अतिरिक्त कुछ अन्य व्यक्ति हो सकते हैं डॉ. एम. एम. कलबुर्गी एक निर्भीक पत्रकार थे जो बसवन्ना की शिक्षाओं का प्रचार करते थे। डॉ गौरी लंकेश एक बेहतरीन पत्रकार थीं और धर्म के नाम पर राजनीति की सख्त विरोधी थीं. इन सभी तार्किकतावादियों और अंधश्रद्धा व साम्प्रदायिकता के आलोचकों को असहिष्णु संगठनों और समूहों के कोप का भाजन बनना पड़ा और अंततः उन्होंने अपने विचारों की कीमत अपनी जान देकर चुकाई। आज सरकार के किसी भी आलोचक को बिना किसी आधार के देशद्रोही कह दिया जाता है। सलमान रुश्दी से लेकर मुनव्वर फारूकी तक जिन भी लोगों को असहिष्णुता का सामना करना पड़ा उनमें से कई मुसलमान थे। फारूकी के शो का मुख्य विषय राजनीति नहीं हुआ करता था. राजनैतिक मुद्दों पर वे थोड़ा–बहुत बोलते होंगे परंतु उनके शो राजनीति पर केन्द्रित नहीं होते थे और ना ही वे लोगों को हंसाने के लिए हिन्दू देवी–देवताओं का सहारा लेते थे।

फारूकी का अपने काम को अलविदा कहना दुःखद है और समाज में बढ़ती असहिष्णुता का द्योतक है. इससे यह भी साफ है कि भारतीय राज्य असहिष्णुता को बनाए रखना चाहता है और साम्प्रदायिक राष्ट्रवादियों की बेतुकी मांगों के आगे झुकने में तनिक भी संकोच नहीं करता. इस तरह की स्थिति के चलते ही वैश्विक प्रजातांत्रिक सूचकांकों में भारत का स्थान गिरता ही जा रहा है।

प्रजातांत्रिक स्वतंत्रताएं जिस तरह से सिकुड़ रही हैं उसे रोकना जरूरी है। हम और आप वीर दास या मुनव्वर फारूकी से सहमत या असहमत हो सकते हैं परंतु उन्हें बिना धमकियों और जबरदस्ती के अपना काम करने का हक है. राज्य और समाज को उनकी अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान करना चाहिए।

मोदी के बाद कौन संभालेगा नेतश्त्व ? योगी दोबारा जीते तो मिल जायेगा इस प्रश्न का जवाब

–अजय कुमार–

उत्तर प्रदेश में चुनावी राजनीति चरम पर है। नेताओं के बीच श्रेष्ठता की दौड़ चल रही है। सभी अपने आप को सर्वश्रेष्ठ–ईमानदार और विरोधियों को निकम्मा–नाकारा बताने में जुटे हैं। छोटे हों या बड़े दल के रहनुमा, सब इस जतन में लगे हैं कि कैसे मतदाताओं का दिल और दिमाग जीता जाए। इसके लिए साम–दाम–दंड–भेद सभी हथकंडों का सहारा लिया जा रहा है। अपनी बात मतदाताओं तक पहुंचाने के लिए सोशल साइट्स से लेकर पुराने तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें सबसे अधिक प्रचलित तरीका है चुनावी यात्राओं का 'खेला'। बहुजन समाज पार्टी को छोड़कर करीब–करीब सभी दलों के बीच अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर यात्राएं निकालने की होड़ मची हुई है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच चुनावी यात्राएं निकालने की दौड़ के बीच सत्तारुढ़ बीजेपी भी इसमें पीछे नहीं है। बीजेपी भी यात्राओं की राजनीति में 'डुबकी' लगाए जा रही है। पहले जन आशीर्वाद यात्रा निकाल चुकी भारतीय जनता पार्टी अब प्रदेश के अलग–अलग इलाकों से कई यात्राएं निकालने की तैयारी कर रही है। योगी सरकार की उपलब्धियां बताने और विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए बीजेपी 15 दिसंबर के बाद अवध, काशी, ब्रज, गोरखपुर, कानपुर, बुंदेलखण्ड और पश्चिमी क्षेत्र से यात्राएं निकालेगी। यह यात्राएं सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में जाएंगी।

इन यात्राओं के जरिए बीजेपी धार्मिक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के एजेंडे को धार देगी। इन यात्राओं का समापन लखनऊ में प्रधानमंत्री मोदी की रैली के रूप में होगा। बीजेपी की यात्राओं के माध्यम से पार्टी के बड़े नेता केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के साढ़े सात वर्ष और योगी सरकार के पांच वर्ष की उपलब्धियां लेकर जनता के बीच जाएंगे। बीजेपी को उम्मीद है कि यह यात्राएं क्षेत्रवाद, जातिवाद, तुष्टिकरण और वंशवाद की सीमाओं को तोड़ेगी। बात इससे आगे की कि जाए तो बीजेपी तैयारी इस बात की भी कर रही है कि विपक्ष उसे हिन्दुत्व के मोर्चे पर मात देने की कोशिश नहीं करे। जिस तरह से गैर बीजेपी दलों के नेता मंदिर–मंदिर जाकर अपने को हिन्दू साबित करने में लगे हैं। उससे चौकन्नी बीजेपी इस लड़ाई को और आगे ले जाए तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए क्योंकि बीजेपी के लिए हिन्दुत्व की पिच पर बैटिंग करना अन्य दलों से काफी आसान है।

इसलिए अयोध्या में मंदिर निर्माण और वाराणसी में बाबा भोलेनाथ के मंदिर में आलीशान कॉरिडोर बनाकर भव्यता देने के बाद बीजेपी के शीर्ष नेताओं ने मथुरा की भी बात शुरू कर दी है। यहां तक कि यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या तक ट्विट करके कह रहे हैं, 'अब मथुरा की तैयारी है।' मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली का विवाद भी लगभग अयोध्या में राम लाल के जैसा ही है। इसके अलावा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की सियासत को भी मथुरा मुद्दा उठाकर बीजेपी बैकफुट पर लाना चाहती है क्योंकि अखिलेश कई बार भगवान श्रीकृष्ण को यदुवंशी बताकर उन्हें अपना वंशज बताते रहे हैं, लेकिन प्रभु श्रीकृष्ण की जन्मस्थली को उनकी खोई हुई पहचान फिर से मिल सके इसके लिए समाजवादी पार्टी ने कभी कुछ नहीं किया, क्योंकि उसको लगता है कि ऐसे मुद्दे उठाने से उसका मुस्लिम वोट बैंक खिसक सकता है। इसीलिए मौर्या के 'मथुरा की तैयारी है' वाले बयान के बाद विपक्ष आग बबूला हो गया है।

दरअसल, हिन्दुत्व के साथ–साथ यात्राओं के जरिए बीजेपी अपने कोर वोटरों से इतर पहली बार वोटिंग करने वाले और उन वोटरों को यह समझाने को कोशिश करेगी जिन्होंने अभी किसी भी पार्टी के पक्ष में मतदान करने का मन नहीं बनाया है। बीजेपी नेताओं द्वारा यात्राओं के द्वारा जनता को यह भी बताया जाएगा कि उत्तर प्रदेश की जनता को केन्द्र में मोदी और यूपी में योगी सरकार होने का कितना फायदा मिला है। विपक्ष योगी सरकार की खामियां गिनाने में जुटा है तो सत्तारुढ़ दल भारतीय जनता पार्टी के नेता और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कह रहे हैं कि 2017 के चुनाव में हमने पूर्ववर्ती सरकारों की खामियों को जनता के बीच उजागर किया था, जबकि इस बार हम अपनी उपलब्धियां बताने और जनता का आशीर्वाद लेने के लिए चुनाव मैदान में हैं। यूपी के चुनाव की अहमियत को इसी बात से समझा जा सकता है कि यहां के चुनाव केन्द्र की राजनीति पर सीधा प्रभाव डालते हैं, यूपी में बीजेपी मजबूत है इसीलिए केन्द्र में मोदी की सरकार है।

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों की महत्ता को जानते हुए दिल्ली से लेकर यूपी तक के बीजेपी नेता और आरएसएस वालों के साथ–साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके मंत्री भी पूरी शिद्दत के साथ जुटे हैं। एक तरफ यह चुनाव 2024 में भाजपा की केंद्र वापसी के लिहाज से अहम माना जा रहा है तो वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ के राजनीतिक भविष्य के लिए भी यह बेहद अहम है। यह चुनाव भाजपा में वैकल्पिक नेतश्त्व तैयार करने के लिए भी बेहद अहम है। एक तरफ यूपी चुनाव देश में राजनीति की आने वाली दिशा तय करेगा तो वहीं भाजपा के भीतर भी उठ रहे कई सवालों के जवाब उत्तर प्रदेश के नतीजों से मिल सकते हैं।

बात योगी की कि जाए तो इससे उनका भी कद तय होगा। योगी जीते तो वह यूपी के बाहर भी एक राष्ट्रीय नेता के तौर पर उभरते दिख सकते हैं। इसके साथ ही भाजपा में मोदी के बाद कौन के सवाल का जवाब भी आंशिक तौर पर मिल सकता है। गौरतलब है कि हाल ही में दिल्ली में हुई भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक राजनीतिक प्रस्ताव पेश किया था। यह पहला मौका था, जब राष्ट्रीय स्तर पर सीएम योगी को इस तरह से सम्मान मिला था। अब यदि वह जीत हासिल करते हैं तो फिर उनका कद जनता के बीच भी बढ़ता दिखेगा।

वैसे भी भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच यूपी में अकसर 'मोदी–योगी–जय श्री राम' का नारा लगता रहता है। साफ है कि मोदी के बाद यूपी में भाजपा के कार्यकर्ता योगी को ही देखते हैं, लेकिन इस चुनाव के नतीजे बता देंगे कि यह नारा कितना सही और गलत साबित होता है। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि बीजेपी कार्यकारिणी बैठक में योगी को प्रस्ताव पेश करने का मौका दिए जाने को लेकर भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था, 'इसमें गलत क्या है। सीएम योगी देश की सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य के मुख्यमंत्री हैं। वह अपने कामों के चलते लोकप्रिय भी हैं। इसलिए उन्हें यह मौका दिया गया था।' उनके इस बयान से साफ संकेत दिया गया कि योगी आदित्यनाथ का कद अब यूपी से बाहर भी बढ़ रहा है।

जानकार इसे योगी का 'उदय' मानकर चल रहे हैं। इसके पीछे कारण बताया जा रहा है कि 90 के दशक में संगठन मंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राजनीतिक प्रस्ताव पेश किया था। उसके बाद वह गुजरात के सीएम बने और अब पीएम हैं। वहीं दूसरा, उत्तर प्रदेश में संगठन और बीजेपी नेताओं को साफ संदेश दिया गया है कि यूपी में योगी की अगुवाई में ही सबको एकजुट रहना है। विकास में मामले में भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का रिकार्ड ठीकठाक ही नजर आ रहा है। ऐसा इसलिए हो पाया क्योंकि केन्द्र की मोदी और यूपी की योगी सरकार कंधे से कंधा मिलाकर चल रही थी, नहीं तो सपा–बसपा की सरकारों के समय तो हमेशा यही सुनने को मिलता था कि केन्द्र की सरकारें यूपी के विकास कार्यों में रोड़ा अटकाती हैं। पीएम मोदी की ही मदद से ही यूपी में योगी के नेतश्त्व में सरकार ने आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की नींव तैयार करने के लिए कई कदम उठाए है। योगी सरकार को करीब से जानने वालों का मानना है कि पिछड़ा उत्तर प्रदेश की पहचान छोड़ राज्य सक्षम और समर्थ उत्तर प्रदेश के रूप में उभरा है। विकास के पैमाने पर समग्रता से देखें तो इन साढ़े चार वर्षों से अधिक के समय में राष्ट्रीय पटल पर एक नया सक्षम और समर्थ उत्तर प्रदेश उभर कर आया है। इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि योगी सरकार से पहले तक देश की सबसे बड़ी आबादी होने के बाद भी बीमारू की छवि के साथ देश में पांचवें नम्बर की अर्थव्यवस्था होने का दंश झेलने वाला उत्तर प्रदेश लगातार प्रयासों से अब दूसरे नम्बर की अर्थव्यवस्था बनकर सामने आया है। योगी के अपने अब तक के कार्यकाल में चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरी मिली तो एंटी रोमियो स्क्वाड से मिशन शक्ति तक की कोशिशों से महिलाएं सुरक्षित, सम्मानित हैं और स्वावलम्बन की मिसाल बन रही हैं।

बात पांच साल पहले की कि जाए तो उत्तर प्रदेश में 2017 तक बेरोजगारी दर 17 फीसदी तक थी जबकि आज चार फीसदी है। उत्तर प्रदेश ने सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतश्त्व 19 माह के कोविड काल का सामना जिस ढंग से किया, उसकी सराहना विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म पर हो रही है। केन्द्र और उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार होने का सीधा फायदा आमजन को मिला है। 2017 में योगी आदित्यनाथ सरकार के गठन के बाद केन्द्र सरकार के साथ राज्य सरकार की शानदार बॉन्डिंग देखने को मिली। अब पीएम किसान योजना हो या फिर स्वच्छ भारत मिशन, उज्ज्वला और उजाला योजना हो अथवा खाद्यान्न उत्पादन, उत्तर प्रदेश सभी में शीर्ष स्थान पर है। गन्ना मूल्य भुगतान में उत्तर प्रदेश सरकार ने किसानों के हित में भी बेहद शानदार काम किया। प्रदेश में इस दौरान न केवल नई चीनी मिलें खुलीं, बल्कि पुरानी की क्षमता वश्द्धि भी की गई। गन्ना किसानों को अब तक 1.44 लाख करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। कुल मिलाकर मोदी–योगी की कैमिस्ट्री के चलते बीमारू राज्य की दर्जा हासिल उत्तर प्रदेश अन्य राज्यों से काफी आगे निकल गया है। यूपी की चमक–खनक और धमक देश ही नहीं, विदेश तक में देखने को मिल रही है।

अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में उम्मीद से ज्यादा तेजी से हो रही है वश्द्धि

–प्रह्लाद सबनानी–

कोरोना महामारी के दूसरे दौर के बीच, वित्तीय वर्ष 2021–22 की द्वितीय तिमाही के दौरान, भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी का दौर जारी रहा है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में जुलाई–सितम्बर 2021 तिमाही में 8.4 प्रतिशत की वश्द्धि दर्ज की गई है, जो विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों में सबसे अधिक है। हालांकि वित्तीय वर्ष 2021–22 की प्रथम तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वश्द्धि दर 20.1 प्रतिशत की रही थी, परंतु यह वश्द्धि दर वित्तीय वर्ष 2020–21 की प्रथम तिमाही में कोरोना महामारी के प्रथम दौर के कारण सकल घरेलू उत्पाद में आई 24.4 प्रतिशत की भारी कमी के कारण रही थी।

वित्तीय वर्ष 2020–21 एवं वित्तीय वर्ष 2021–22 की प्रथम तिमाही के दौरान कृषि क्षेत्र ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लगातार सहारा दिया था परंतु अब वित्तीय वर्ष 2021–22 की द्वितीय तिमाही में उद्योग एवं सेवा क्षेत्र से भी अर्थव्यस्था को भरपूर सहारा मिला है। कृषि क्षेत्र में इस दौरान 4.5 प्रतिशत की वश्द्धि दर्ज की गई है वहीं उद्योग क्षेत्र में 6.9 प्रतिशत की वश्द्धि तथा सेवा क्षेत्र में 10.2 प्रतिशत की वश्द्धि दर्ज की गई है।

वित्तीय वर्ष 2020–21 की अर्द्धवार्षिक (अप्रैल–सितम्बर 2020) अवधि में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में 11.4 लाख करोड़ रुपए की कमी दर्ज की गई थी क्योंकि कोरोना महामारी के चलते अप्रैल एवं मई 2020 के दौरान देश में पूर्ण लॉकडाउन एवं जून–सितम्बर 2020 की अवधि में आंशिक लॉकडाउन लगाया गया था। परंतु अब हर्ष का विषय है कि वित्तीय वर्ष 2021–22 की अर्द्ध वार्षिक (अप्रैल–सितम्बर 2021) अवधि में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 लाख करोड़ रुपए की वश्द्धि दर्ज की गई है। इस प्रकार, अभी भी शेष 3.2 लाख करोड़ रुपए की हानि को पूर्ण करने के लिए इस राशि की वश्द्धि वित्तीय वर्ष 2021–22 के शेष अवधि में प्राप्त करना आवश्यक होगा।

अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों में वित्तीय वर्ष 2021–22 की द्वितीय तिमाही में प्रभावशाली वश्द्धि दर्ज की गई है परंतु अभी भी कोरोना महामारी के दौरान सबसे अधिक विपरीत रूप से प्रभावित क्षेत्रों यथा, व्यापार, होटल, यातायात, संचार एवं ब्रॉड्कास्टिंग से संबंधित सेवा क्षेत्रों में तेजी आना शेष है और इन क्षेत्रों में 2.6 लाख करोड़ रुपए की हानि की पूर्ति किया जाना है। आज देश में कोरोना महामारी के पूर्व के अर्थव्यवस्था के स्तर के 95.6 प्रतिशत भाग को प्राप्त कर लिया गया है परंतु व्यापार, होटल, यातायात, संचार एवं ब्रॉड्कास्टिंग से संबंधित सेवा क्षेत्र में अभी भी केवल 80 प्रतिशत के स्तर को ही प्राप्त किया जा सका है। अब यह सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वित्तीय वर्ष 2021–22 की तश्तीय तिमाही के दौरान अर्थव्यवस्था के समस्त क्षेत्रों में कोरोना महामारी के पूर्व के स्तर को प्राप्त कर उक्त वर्णित 3.2 लाख करोड़ रुपए की शेष हानि को भी पूर्ण कर लिया जाएगा।

एक और उत्साहवर्धक खबर निवेश के क्षेत्र से भी आई है। वित्तीय वर्ष 2021–22 के प्रथम सात माह (अप्रैल–अक्टूबर 2021) के दौरान ही 8.6 लाख करोड़ रुपए के नए निवेश की घोषणा की गई है जबकि वित्तीय वर्ष 2020–21 की पूर्ण अवधि में 11 लाख करोड़ रुपए के नए निवेश की घोषणा की गई थी। वित्तीय वर्ष 2021–22 में निजी निवेश का योगदान 67 प्रतिशत अर्थात 5.80 लाख करोड़ रुपए का रहा है अतः लम्बे अंतराल के बाद अब निजी निवेश का योगदान भी देश की अर्थव्यवस्था में बढ़ने लगा है, वरना अभी तक तो मुख्य रूप से केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा ही देश में निवेश पर खर्च किया जा रहा था। इसी बीच 29 नवम्बर 2021 को समाप्त सप्ताह में भारतीय स्टेट बैंक का बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स भी 110.7 के स्तर पर आ गया है जिसका आशय यह है कि देश में आर्थिक गतिविधियों ने अब तेज रफ्तार पकड़ ली है। इसके साथ ही, 22 अक्टूबर 2021 से 5 नवम्बर 2021 की पाक्षिक अवधि के दौरान समस्त वाणिज्यिक बैंकों द्वारा प्रदान किए गए ऋणों की राशि में 1.18 लाख करोड़ रुपए (7.1 प्रतिशत) की प्रभावशाली वश्द्धि दर्ज की गई है, जो कि वित्तीय वर्ष 2021–22 की 5 नवम्बर तक की अवधि तक 2.14 लाख करोड़ की वश्द्धि का 56 प्रतिशत है। उक्त वर्णित पाक्षिक अवधि में अर्थव्यवस्था के लगभग समस्त क्षेत्रों (व्यक्तिगत ऋण, सेवा क्षेत्र, उद्योग क्षेत्र एवं कृषि क्षेत्र, आदि) में ऋण प्रदान करने की गतिविधि में महत्वपूर्ण तेजी दृष्टिगोचर हुई है। इसका आशय यह है कि वित्तीय वर्ष 2021–22 की तश्तीय तिमाही में भी आर्थिक गतिविधियों में तेजी का दौर जारी रहेगा।

वित्तीय वर्ष 2021–22 के प्रथम अर्द्धवार्षिक अवधि के दौरान दर्ज की गई प्रभावशाली विकास दर को जारी रखते हुए अक्टूबर 2021 में उद्योग क्षेत्र के 8 मूलभूत उद्योगों में 7.5 प्रतिशत की वश्द्धि दर्ज की गई है। कोयला, सीमेंट, रीफायनिंग एवं गैस उत्पादन उद्योगों में उत्साहवर्धक वश्द्धि दर्ज हुई है। सीमेंट उद्योग में तो 14.5 प्रतिशत की वश्द्धि दर्ज हुई है इसका आशय यह है कि देश में निर्माण का कार्य रफ्तार पकड़ता जा रहा है। अभी आगे आने वाले समय में चूंकि केंद्र सरकार अधोसंरचना के विकास के लिए बहुत बड़ी राशि का पूंजीगत खर्च करने जा रही है अतः सीमेंट एवं स्टील उद्योग में विकास दर और भी रफ्तार पकड़ेगी।

देश के वित्त प्रबंधन में भी स्पष्ट तौर पर सुधार दिखाई दे रहा है। वित्तीय वर्ष 2021–22 के राजकोषीय घाटे को भी अभी तक नियंत्रण में रखते हुए, अप्रैल–अक्टूबर 2021 के 7 माह के दौरान, 5.47 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर रखा गया है जोकि वर्ष 2021–22 के पूर्ण वर्ष के राजकोषीय घाटे के बजट (15.06 लाख करोड़ रुपए) का मात्र 36.3 प्रतिशत ही है, यह राजकोषीय घाटा पिछले वित्तीय वर्ष 2020–21 की इसी अवधि के दौरान 119.7 प्रतिशत था। इस वर्ष राजकोषीय आय में काफी सुधार होने के कारण यह स्थिति बनी है। जीएसटी संग्रहण में तो हर माह नए रिकार्ड बन रहे हैं। देश में नवम्बर 2021 माह में 131,526 करोड़ रुपए का जीएसटी संग्रहण हुआ है जो अक्टूबर 2021 माह में 130,127 करोड़ रुपए का रहा था। हालांकि अभी तक का सबसे अधिक जीएसटी संग्रहण अप्रैल 2021 माह में 139,708 करोड़ रुपए का रहा था।

अब भारतीय अर्थव्यवस्था में चूंकि निजी क्षेत्र से निवेश बढ़ने के संकेत मिलने लगे हैं एवं केंद्र सरकार के राजकोषीय घाटे के नियंत्रण में रहने के चलते केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा भी अधोसंरचना के विकास के लिए पूंजीगत खर्च में वश्द्धि करने की गुंजाइश बन गई है अतः अब आशा की जानी चाहिए कि वित्तीय वर्ष 2021–22 के द्वितीय अर्धवार्षिक अवधि में निजी क्षेत्र एवं सरकारी क्षेत्र से देश में निवेश के बढ़ने से भारत की आर्थिक विकास दर वित्तीय वर्ष 2021–22 की अवधि में 10 प्रतिशत से अधिक हो जानी चाहिए, जोकि पूरे विश्व में सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों में सबसे अधिक होगी।

(सेवानिवश्त्त उप महाप्रबंधक)

समाज सेवक ने घायल छात्रा को पहुंचाया जिला अस्पताल परिजनों ने की सराहना

समाज सेवक पुत्तन बाजपेई अनोखे कार्य को लेकर रहते हैं चर्चा में

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। एक कहावत है कि नेकी कर दरिया में डाल वही देखने को मिलता रहता है। बताते चलें कि गोंडा शहर के रहने वाले एक व्यक्ति द्वारा गरीबों के बीच में पहुंचकर गर्म कपड़े के साथ–साथ जरूरतमंदों को जरूरी सामान वितरण करने के साथ–साथ चोटिल व्यक्ति व चोटिल जानवरों का इलाज कराने का एक अच्छा कार्य करते रहते हैं जिनका नाम कहीं ना कहीं चर्चा का विषय बना रहता है। बताते चलें कि शहर के साथ–साथ गांव में रहने वाले समाज सेवक पुत्तन बाजपेई नामक व्यक्ति जो लगातार कहीं ना कहीं लोगों के बीच में पहुंचकर हर संभव मदद करने में आगे आते रहते हैं। यह सब जानकारी देते पुत्तन बाजपेई ने बताया कि बुधवार को मै कुछ कार्य के लिए शहर जा रहा था तभी लखनऊ गोंडा हाईवे मार्ग के बगल स्थित पंजाब नेशनल बैंक शाखा हारीपुर के सामने रोड पर एक बस चालक ने स्कूल से पैदल आ रही 13 वर्षीय छात्रा को ठोकर मार दी जिससे छात्रा बुरी तरीके से घायल हो गई मैंने तत्काल अपनी गाड़ी बगल में खड़ी कर टेंपो को रोक कर छात्रा को उसी में बैठाकर जिला अस्पताल पहुंच कर दवा इलाज कराया उसके बाद हमारे द्वारा छात्रा के परिजनों को सूचना दी गई परिजन भी अस्पताल पहुंचे और छात्रा की हालत में पूरी तरीके से सुधार है। लगभग 13 वर्ष कि पैदल अपने घर को जा रही स्कूली छात्रा को पीछे से रौंद दिया ,मैने तुरन्त अपनी बाइक् साइड में खड़ी करके ,उस लड़की को उठाया और टेम्पो करके जिला अस्पताल पहुँचा ,एमर्जेन्सी में डॉक्टर ने तुरन्त दवा करना चालू कर दिया ,तब तक लड़की के घरवाले भी पहुँच गये।

जिला अधिकारी ने कोविड की संभावित तीसरी लहर से बचाव को लेकर सभी ग्राम प्रधानों को लिखा पत्र

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। डीएम मार्कंडेय शाही ने कोरोना की संभावित थर्ड वेब के (ओमिक्रोन वेरिएंट) से बचाव हेतु जनपद के सभी ग्राम प्रधानों को पत्र लिखकर सहयोग मांगा है। अपने पत्र में जिलाधिकारी ने लिखा है कि प्रिय प्रधान जी, माननीय मुख्यमंत्री जी, उत्तर प्रदेश, सरकार, के मार्गदर्शन में 18 वर्ष से अधिक आयु के समस्त जनमानस का कोविड महामारी से बचाव हेतु कोविड टीकाकरण किया जा रहा है। परंतु अभीष्ट लक्ष्य की प्राप्ति हेतु वर्तमान रणनीति के साथ अतिरिक्त प्रयास किये जाने की नितांत आवश्यकता है । जैसा कि आपको विदित होगा कि विगत दो वर्षों में जाड़े के मध्य कोविड की लहर एक एवम लहर दो की शुरआत हो चुकी है और अब तीसरी लहर (ओमिक्रोन वैरिएंट) भी आने की प्रबल संभावना है । उक्त क्रम में पहले की तुलना में अब हमारे पास संपूर्ण कोविड टीकाकरण एक उत्कृष्ट उपाय है एवं यह कोविड टीकाकरण समस्त सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर पूर्ण निशुल्क है। अतः आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप व्यक्तिगत रुचि लेते हुए अपने ग्राम के समस्त पात्र ग्रामवासियों (18 वर्ष से अधिक) को स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से कोविड वैक्सीन से टीकाकृत कराकर कोविड टीकाकरण में अपने ग्राम को शत प्रतिशत संतृप्त कर (दोनों डोज से) इस कोविड की महामारी से सुरक्षित कर अपना अतुलनीय योगदान करें ।

हद बरारी करने आए राजेश कर्मियों पर पीड़ित ने लगाया आरोप

सरहद से ना नाप कर मनमानी तरीके से नापा गया चक

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। तहसील मनकापुर के अंतर्गत एक गांव में एसडीएम के आदेश पर हद बरारी करने आए राजस्व कर्मियों पर पीड़ित ने गलत तरीके से चक नपाई करने का लगाया आरोप आपको बताते चलें कि मामला मनकापुर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत विद्यानगर का है जहां के निवासी पीड़ित किसान आज्ञाराम वर्मा ने एसडीएम मनकापुर के यहां एक वाद दायर किया था। जिसमें विपक्षियों पर खेत का चकरोड काटकर कब्जा कर लिया जिस पर एसडीएम मनकापुर ने राजस्व कर्मियों को उक्त गांव भेज कर रिपोर्ट आख्या मांगा मौके पर पहुंचे राजस्व कर्मियों में इस समय कानूनगो के चार्ज पर चल रहे कन्हैया लाल व अन्य राजस्व कर्मी ने पहुंच कर नपाई शुरू की लेकिन सरहद से ना नाप कर पीड़ित किसान का ही चक नापने लगे तो उसने विरोध किया और पीड़ित किसान का 2 बिस्वा जमीन कम निकला इस पर पीड़ित आज्ञाराम संतुष्ट नहीं हुआ और उसने विरोध किया तो राजस्व कर्मियों ने पीड़ित को धमकाया और कहा कि जैसा मैं कर रहा हूं वैसा करने दो नहीं तो गलत रिपोर्ट लगा दूंगा और तुम्हें तहसील का चक्कर लगाते लगाते परेशान करवा दूंगा वही पीड़ित ने बताया कि मुझसे हद बरारी के नाम पर राजस्व कर्मी ने रुपए भी लिए पीड़ित ने मांग किया है कि हमारे चक पैमाइश सही तरीके से दोबारा कराई जाए पीड़ित काफी गरीब है जो काफी परेशान है राजस्व कर्मियों के धमकी से काफी डरा सहमा हुआ है उसने शासन प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है।

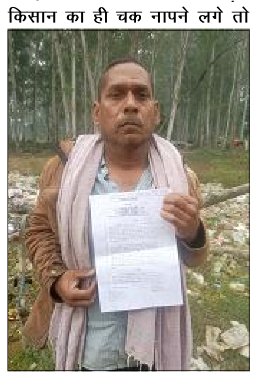

चोरों ने तीन ठिकानों पर दिया चोरी का अंजाम दो पर हाथ सफा,एक घर के जगे परिजन

हल्का में तैनात दरोगा व सिपाहियों पर पहले भी उठ चुकी है पीड़ित की उंगलियां सोती रही पुलिस जागते रहे चोर तीन घरों में दी वारदात

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा लगातार (बीट) हल्का में तैनात दरोगा व सिपाहियों को आवश्यक निर्देश दे रखे हैं। कि वह रात्रि में गस्त करते रहे और गांव कस्बे में नजर बनाए रखें लेकिन कुछ ऐसे बीट के दरोगा व सिपाही है। जो क्षेत्र में जाकर रात्रि गश्त नहीं करते हैं। जिसको लेकर आए दिन चोरी की वारदात होती रहती है। बताते चलें कि बीती एक ही रात गांव में अज्ञात चोरों ने दो घरों में किया हाथ साफ तो एक घर में किया चोरी का प्रयास ।थाना इटियाथोक अंतर्गत ग्राम पंचायत लखनीपुर के (मकदूम पुरवा) में अज्ञात चोरों ने उग्गर यादव के यहां रात्रि में चोरों ने टिल्लू पंप मोबाइल व दस हजार रुपए पर हाथ साफ किया तो दूसरी तरफ चोरों ने दुखी के यहां लाठी टॉर्च मोबाइल आदि सामान लेकर रफूचक्कर हो गए। चोरों ने तीसरे घर हनीफ के यहां पड़ोसी की सीढ़ी लेकर पीछे का बयाला काटकर चोरी का प्रयास किया तो परिजन जग उठे तो चोर वहां से फरार हो गए। ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि रात्रि में कभी भी पुलिस गश्त नहीं करती है। जिसको लेकर चोरी की घटना होती रहती है। अब देखना यह है कि पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा के संज्ञान में पूरा मामला आने के बाद ऐसे लापरवाह दरोगा व सिपाहियों के खिलाफ कार्रवाई होती है या नहीं इस चोरी की घटनाक्रम के बारे में थाना अध्यक्ष इटियाथोक अरुण कुमार द्विवेदी से बात करने का प्रयास किया गया पर उनका शिवजी नंबर नहीं उठा।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने रिजर्व पुलिस लाइन गोंडा में साप्ताहिक शुक्रवार परेड का किया निरीक्षण, शारीरिक रुप से फिट रहने हेतु परेड ने लगाई दौड़, कोरोना व ठण्ढ से स्वयं का बचाव करते हुए ड्यूटी निष्पादन करने के दिए निर्देश

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। दिनांक 03–12–2021 को पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा ने पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी ली तथा परेड व आरटीसी रिक्रूटों का निरीक्षण किया। शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने हेतु परेड ने दौड़ लगाई । पुलिस अधीक्षक ने डॉग स्क्वाड व दो पहिया/चार पहिया पीआरवी वाहनों का निरीक्षण कर पीआरवी में उपलब्ध उपकरणों को चेक किया। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि सभी थानों/पीआरवी वाहनों मे दंगा निरोधक/ सुरक्षा उपकरण अवश्य रखे जाए, कोरोना के दृष्टिगत सभी वाहनों में मास्क व सेनेटाइजर रखा जाए, कोरोना से बचाव हेतु सभी लोग मास्क व सेनेटाइजर का अवश्य इस्तेमाल करें, परेड के दौरान कोरोना हेल्प डेस्क स्थापित करने एवं समस्त कर्मचारियों को मास्क/सेनेटाइजर वितरण हेतु प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया। परेड मे उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों को आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत शान्ति व्यवस्था बनाए रखने हेतु आसमाजिक तत्वों के विरुद्ध आवश्यक निरोधात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही समस्त पुलिसकर्मियों को दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट धारण करने एवं ठण्ढ से स्वयं का बचाव करते हुए ड्यूटी का निष्पादन करने हेतु निर्देशित किया । तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन व क्वार्टर गार्ड का निरीक्षण किया तथा आदेश कक्ष में गार्द कमांडरों के रजिस्टरों की चेकिंग कर आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन, प्रतिसार निरीक्षक, आरटीसी प्रभारी, तथा पुलिस लाइन व थानों से आए हुए अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

विनय शुक्ला निर्वाचित हुए सफाई कर्मचारी संघ के ब्लॉक अध्यक्ष

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ इटियाथोक ब्लॉक इकाई का चुनाव बृहस्पतिवार को ब्लॉक सभागार में संपन्न हुआ। चुनाव पर्यवेक्षक मनोज मिश्रा की अगुवाई में ब्लॉक अध्यक्ष पद पर दो दावेदार विनय शुक्ला व लोकनाथ शुक्ल मैदान में थे। विकासखंड इटियाथोक में कार्यरत 131 सफाई कर्मचारियों में से 126 कर्मचारियों ने मताधिकार का प्रयोग किया। जिसमें विनय शुक्ला को 64 व लोकनाथ शुक्ल को 60 मत प्राप्त हुए जबकि 2 वोट अवैध पाए गए। मतगणना, प्रभारी बीडीओ विकास मिश्रा, जिला अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी व जिला महामंत्री शिवराम शुक्ला की देखरेख में संपन्न हुआ। विनय शुक्ल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी लोकनाथ को 4 मतों से हराया।संघ के जिलाध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी पूर्व अध्यक्ष देवमणि शुक्ला एडीओ पंचायत शमीम खान ने नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष विनय शुक्ला को बधाई व शुभकामनाएं दी।

पुलिस मुठभेड़ में तीन शातिर लुटेरे गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। 1 लूटा गया मोबाइल, 2 तमंचा मय 2 जिंदा कारतूस व 2 खोखा कारतूस, 1 चाकू व 1 मोटरसाइकिल बरामद, पुलिस अधीक्षक उन्नाव के कुशल मार्गदर्शन एवं पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी महोदय पुरवा के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना असोहा पुलिस द्वारा मुठभेड़ में तीन शातिर लुटेरों को 01 लूटा गया मोबाइल, 02 तमंचा मय 02 जिंदा कारतूस व 02 खोखा कारतूस, 1 चाकू व 1 मोटरसाइकिल जिसका इंजन नम्बर चेचिस नम्बर खुरचा हुआ तथा नम्बर प्लेट कूटरचित बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

नुक्कड़ नाटक के जरिए फाइलेरिया से बचाव की दवा के सेवन को किया प्रेरित

सीफार के सहयोग से आकार फाउंडेशन के कलाकारों ने प्रस्तुत किया नाटक कैसरबाग बस स्टैंड पर नाटक देखने के बाद कुछ लोगों ने मांगकर खाई दवा

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। जनपद की विभिन्न मलिन बस्तियों में सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) संस्था के तत्वावधान में आकार फाउंडेशन के कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लोगों को फाइलेरिया से बचाव की दवा खाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी क्रम में बृहस्पतिवार को कसाईबाड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और कैसरबाग बस स्टैन्ड पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। कैसरबाग बस स्टैंड पर नुक्कड़ नाटक देखने के बाद हरदोई निवासी शिवम सिंह और सीतापुर के महमूदाबाद निवासी बिल्लू कश्यप ने फाइलेरिया की दवा स्वयं मांग कर खाई और कहा कि लोगों को भी इस दवा का सेवन करना चाहिए क्योंकि फाइलेरिया से बचाव में ही सही इलाज है। यह व्यक्ति को जीवन भर की दिव्यांगता से बचाती है। मंगलवार को शीशमहल बस स्टैंड, रईसटोला मलिन बस्ती और बुधवार को कैसरबाग क्षेत्र की मलिन बस्ती रामपुर नहर का किनारा और शेरखान का हाता में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. के.पी त्रिपाठी का कहना है – जनपद में 22 नवंबर से राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत सामूहिक दवा सेवन (एमडीए) कार्यक्रम चल रहा है। इसके तहत घर–घर जाकर स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की टीम गर्भवती, दो साल की उम्र तक के बच्चों और गंभीर बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों को छोड़कर सभी को फाइलेरिया से बचाव की दवा खिला रही है। नोडल अधिकारी ने बताया– स्वास्थ्य कार्यकर्ता फाइलेरिया से बचाव की दवा लोगों को अपने सामने ही खिला रहे हैं। सभी लोगों से अपील है कि वह स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का सहयोग करें और जब वह दवा खिलाने आयें तो दवा का सेवन उनके सामने करें न कि दवा घर पर रख लें और कहें कि बाद में खाएंगे। फाइलेरिया से जान तो नहीं जाती है लेकिन अगर व्यक्ति एक बार पीड़ित हो गया तो वह ठीक नहीं हो सकता है। यह बीमारी व्यक्ति को जीवन भर के लिए अपंग बना देती है। इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है। इससे बचाव ही इसका इलाज है। लगातार पाँच साल तक साल में एक बार दवा का सेवन करने से इस बीमारी से बचा जा सकता है। इसके साथ ही फाइलेरिया पीड़ित व्यक्ति के इस दवा का सेवन करने से उसकी बीमारी बढ़ती नहीं है।

सालपुर चौकी पुलिस ने २ महिलाओं को २० लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ किया गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। 20 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ दो महिला गिरफ्तार। बताते चले कि अपराध एवं अपराधियों व अवैध कच्ची शराब निष्कर्षण के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान में पंडरी कृपाल ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले ग्राम सभा खम्हरिया हरिवंश निवासिनी दो महिला के पास से 20 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ पुलिस चौकी सालपुर की पुलिस ने गिरफ्तार किया पुलिस चौकी सालपुर चौकी प्रभारी विनय कुमार पांडे ने बताया की क्षेत्र भ्रमण के दौरान मुखबिर की सूचना पर मयफोर्स के साथ पहुंचकर ग्रामसभा खम्हरिया हरिवंश से दो महिला के पास से 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद किया गया जिसे पुलिस चौकी सालपुर पर लाकर धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत विधिक कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि अवैध कच्ची शराब के खिलाफ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

अखिलेश ने कार्यकर्ताओं, सहयोगी दलों से तीन दिसंबर को 'स्मशति दीप' जलाने की अपील की

लखनऊ, (वेब वार्ता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी और अन्य सहयोगी दलों से अपील की है कि वे हर महीने की तीन तारीख को मनाए जाने वाले 'लखीमपुर किसान स्मशति दिवस' की कड़ी में तीन दिसंबर को 'किसानों की शहादत' का मान बढ़ाने के लिए स्मशति दीप जलाएं। यादव ने शुक्रवार को ट्वीट किया, ''उत्तर प्रदेश के किसानों के सभी शुभचिंतकों और सपा व अन्य सहयोगी दलों से अपील है कि हर महीने की तीन तारीख को मनाए जाने वाले 'लखीमपुर किसान स्मृति दिवस' की कड़ी में तीन दिसंबर को 'किसानों की शहादत' का मान बढ़ाने के लिए स्मृति दीप जलाएं और लोगों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की क्रूरता की याद दिलाएं। लखीमपुर खीरी जिले के तिकोनिया क्षेत्र में तीन अक्टूबर को हुई हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी। मामले में केंद्रीय गश्ह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के पुत्र आशीष मिश्रा और अन्य लोगों के खिलाफ हत्या समेत अन्य संबंधित धाराओं में तिकुनिया थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई, जो अब जेल में हैं। आशीष मिश्रा का नाम प्राथमिकी में उन आरोपों के बाद आया कि वह उन वाहनों में से एक में सवार थे जिसने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे के विरोध में प्रदर्शन कर रहे चार किसानों को कुचल दिया था।

मायावती ने चुनावी वादों पर राजनीतिक दलों को घेरा

लखनऊ, (वेब वार्ता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा किये जा रहे वादों पर उन्हें घेरते हुये कहा कि इन वादों को सत्ता में आने के बाद भुला दिया जाता है। उन्होंने जनता से इन प्रलोभनों से सावधान रहने को कहा। बसपा नेता ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा, ''उत्तर प्रदेश में खासकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस प्रदेश की जनता को लुभाने व गुमराह करने के लिए आए दिन प्रलोभन भरे जो चुनावी वादों की झड़ी लगा रही है, इन्हें सत्ता में आने के बाद अधिकांशतः भुला दिया जाता है। अब तक का इनका यही इतिहास रहा है। जनता इनसे सतर्क रहे। मायावती ने कहा, अर्थात् भाजपा व सपा जनता को जो वादे कर रही हैं, ये काम उन्होंने यहां अपनी सरकार रहते हुए क्यों नहीं किए? कांग्रेस पार्टी भी महिलाओं को 40 प्रतिशत टिकट व स्कूटी आदि देने के जो वादे कर रही है, ये काम इन्होंने उन राज्यों में क्यों नही किए, जहां इनकी सरकारें हैं? यह भी सोचने की बात है।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।